Impact Factor – 6.261

ISSN – 2348-7143

INTERNATIONAL RESEARCH FELLOWS ASSOCIATION

RESEARCH JOURNEY

Multidisciplinary International E-Research Journal

PEER REFREED & INDEXED JOURNAL

January - 2019

SPECIAL ISSUE- 83

खण्ड - तीन

समकालीन हिंदी कथा-साहित्य में विविध विमर्श

(किन्नर, वृध्द, किसान तथा नारी)

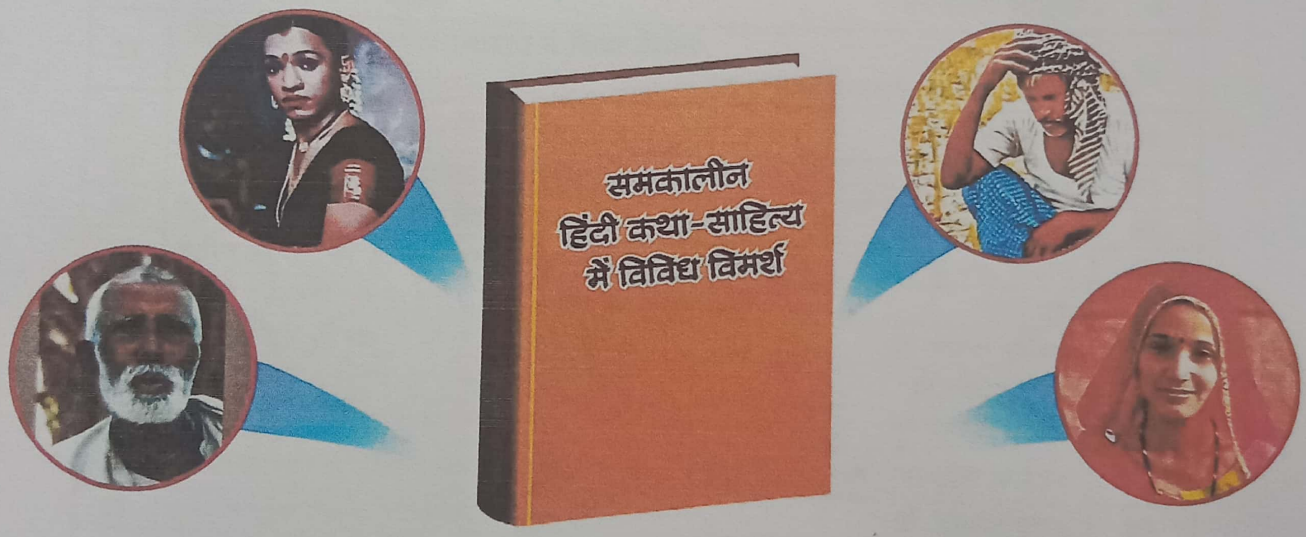

विशेषांक संपादक :

डॉ.सौ. सुरैय्या इसुफअली शेख

असोसिएट प्रोफेसर तथा शोध निर्देशक

अध्यक्षा, हिंदी विभाग,

मा.ह. महाडीक कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय,

मोडनिंब, तह. माढा, जि. सोलापुर, महाराष्ट्र-भारत

अध्यक्षा, हिंदी अध्ययन मंडल, सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

मुख्य संपादक :

डॉ. धनराज धनगर

L.V.D. COLLEGE RAICHUR

This Journal is indexed in :

- UGC Approved Journal
- Scientific Journal Impact Factor (SJIF)
- Cosmoc Impact Factor (CIF)
- Global Impact Factor (GIF)
- International Impact Factor Services (IIFS)
- Indian Citation Index (ICI)
- Dictionary of Research Journal Index (DRJI)

PRINCIPAL
L.V.D. College, RAICHUR-03.

SWATIDHAN PUBLICATIONS

Scanned with OKEN Scanner

'RESEARCH JOURNEY' International Multidisciplinary E- Research Journal
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452(2015), (GIF)-0.676 (2013)
Special Issue 83 (खण्ड- 3) : समकालीन हिंदी कथा- साहित्य में विविध विमर्श
UGC Approved Journal
ISSN : 2348-7143
January-2019

अनुक्रमणिका

No.	Title of the Paper	Author's Name	Page No.
1	हिंदी उपन्यासों में किन्नर विमर्श	डॉ.मधुकर खराटे	09
2	अनुसूया त्यागी कृत मै भी औरत हुँ में किन्नर विमर्श	डॉ.संजयकुमार शर्मा	16
3	किन्नरों के जीवन का यथार्थ चित्रण	डॉ.शंकर शिवशेट्टे	22
4	तिसरी तली का सच	चंदना जैन	26
5	गुलाम मंडी उपन्यास में किन्नर विमर्श	डॉ.पिरू. आर.गवली	30
6	किन्नरों की व्यथा- कथा को व्यक्त करता उपन्यास : 'जिंदगी ५० -५०'	डॉ.साहेबहूसैन जे. जहागीरदार	36
7	संघर्षो, पीडाओं और दर्द से भरा किन्नर जीवन 'मै हिजडा ...मै लक्ष्मी ..'के विशेष संदर्भ में	डॉ.एस.एन.तायडे	39
8	हिंदी कहानियों में किन्नरों की समस्या	डॉ.शेख सैबाशिरीन हारून रशीद	44
9	कबीरन कहानी में चित्रित किन्नर विमर्श	डॉ.सदानंद भोसले, राजेंद्र वरपे	47
10	हासिए का समाज- किन्नर	डॉ.अनिल साळुंखे	51
11	नीरजा माधव के यमदीप उपन्यास में किन्नर विमर्श	प्रा. समाधान नागणे, प्रा.देवेंद्र देवकुळे	55
12	एक और तिसरी दुनिया – पोस्ट बॉक्स नं. २०३ नाला सोपरा	डॉ. जयश्री शिंदे	59
13	किन्नर कथा में मानवतावादी दृष्टिकोण	डॉ. सविता प्रमोद	63
14	हिंदी उपन्यासों में चित्रित किन्नर विमर्श	डॉ. रविंद्र पाटील	67
15	तृतीय पंथीयों का जीवन संघर्ष: 'जिंदगी ५०-५०'	तेजश्री पाटील	69
16	अधुरी देहधारी : मै पायल.....	शीला घुले	71
17	उपेक्षित वृद्ध जीवन की दास्तान: समय सरगम	डॉ. अपर्णा कुचेकर	74
18	२१ वीं शती के हिंदी उपन्यासों में वृद्ध विमर्श	डॉ.अशोक मरळे	77
19	जिंदगी की संध्यवेला से भायाक्रांत दौंड	प्रा.निवृत्ती लोखंडे	81
20	कृष्णा सोबती के 'समय – सरगम' उपन्यास में वृध्द –विमर्श	प्रा.दादासाहेब खांडेकर	84
21	कृष्ण बलदेव वैद के उपन्यासों में वृद्ध विमर्श	डॉ. हणमंत पवार	93
22	कृष्णा सोबती की कहानी दादी-अम्मा में वयोवृद्ध स्त्री की विवंचना	डॉ. मदन खरटमोल	98
23	समकालीन हिंदी साहित्य में वृद्ध विमर्श	ज्ञानेश्वर मेहेरकर	101
24	वृद्ध जीवन की सही पहचान:रमेशचंन्द्र शाह के उपन्यास	साहेबराव काम्बले	104
25	हिमांशु जोशी के कथा- साहित्य में वृद्धजनों के प्रति संवेदना	श्रीमती अरुणा	106
26	वृद्ध विमर्श 'बूढी काकी', 'चीफ की दावत' तथा 'वापसी' कहानी के विशेष सन्दर्भ में	इबरार खान	111
27	नई दुनिया और बुढापा : एक सामाजिक चिंतन	कु.अनिता राऊत	115
28	हिंदी कथा साहित्य में वृद्ध विमर्श	झिल्ली नायक	118
29	किसान विमर्श और फॉस	डॉ.गिरीश काशिद	120
30	समकालीन हिंदी- मराठी उपन्यासों में गाँव	डॉ.मनोहर भांडारे	128
31	फॉस उपन्यास और किसान विमर्श	रेवनसिद्ध चव्हाण, प्रो.सदानंद भोसले	131
32	रामदरश मिश्र के उपन्यासों में चित्रित किसान जीवन	रामेश्वर वाढेकर, विकास वाघमारे	134

Scanned with OKEN Scanner

'RESEARCH JOURNEY' International Multidisciplinary E- Research Journal
Impact Factor - (SJIF) - 6.261, (CIF) - 3.452(2015), (GIF)-0.676 (2013)
Special Issue 83 (खण्ड- 3) : समकालीन हिंदी कथा- साहित्य में विविध विमर्श
UGC Approved Journal
ISSN : 2348-7143
January-2019

हिमांशु जोशी के कथा-साहित्य में वृद्धजनों के प्रति संवेदना

श्रीमति अरुणा,
रायचूर - कर्नाटक

हिमांशु जोशी जी को भारतीय साहित्य में मानवीय संवेदना का अवतार कहा जाय तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।जोशी जी का दृष्टिकोण मानवतावादी रहा है।इसलिए उनके समग्र कथा-साहित्य में मनुष्य की मानवता व्याप्त है। जोशी जी का मानवतावादी दृष्टिकोण, एक ऐसा दृष्टिकोण है जो मनुष्य तक ही सीमित न होकर जड़-चेतन सब की भलाई करता अपना धर्म समझता है।अतः कहा जा सकता है कि मानवतावाद का संबंध नैतिकता से है और इसका उद्देश्य मानव और सामाजिक अभ्युत्थान है।यह मनुष्य को बन्धुत्व के भाइचारे के सूत्र में बांधना चाहते है।मैं कहना चाहूँगी की जोशी जी के आदर्श पात्र 'प्रवृत्ति और निवृत्ति' के मध्य जो सेवा धर्म है, उसमें दीक्षित है।उनकी दृष्टि किसी महामानव की कल्पना में लीन नहीं कही जा सकती, बल्कि वे तो साधारण मानव को ही अधिक-आदरणीय एवं श्रेष्ठ मानते हैं।यह जोशी जी का मानवधर्म है, मानवीयता है, मानवतावाद है।अब हिमांशु जोशी जी के कथा-साहित्य में दिखाई देनेवाली मानवीय संवेदना को अलग-अलग मुद्दों के द्वारा प्रस्तुत करेंगे।

आज का साहित्यकार सामाजिक दायित्व को आत्मोपलब्धि के रूप में इसलिए स्वीकार करता है, क्योंकि साहित्य मनुष्य के सांस्कृतिक मूल्यों की उपलब्धि है और बिना इसके वह उसे अपनी सर्जनात्मक प्रक्रिया का अंग नहीं बना पाएगा जो साहित्य कालातीत है, वह निश्चय ही आत्मोपलब्धि का साहित्य और अपने युग की सांस्कृतिक चेतना के साथ घनिष्ठतम रूप में सम्बन्ध है।यही कारण है कि आज का कोई भी साहित्यकार अपने युग जीवन को आत्मगत सत्य के रूप में ही स्पष्ट करने की चेष्टा करता है।वह अपनी आंतरिक संवेदना को अपने वैयक्ति स्वातंत्र्य की शर्त स्वीकार कर मानवीय मूल्यों की प्रतिष्ठा करने का प्रयत्न करता है।वह जीवन के अंदर से जीवन का साक्षात्कार करता है और यह आत्मान्वेषण की प्रक्रिया भी है, जिससे मानवीय मूल्यों को गति प्राप्त होती है।

आज के कथा-साहित्य की मूल संवेदता के सम्बन्ध में यथार्थ पर विचार करना भी आवश्यक है।जीवन एव यथार्थ है।हमारा भावुक होना यथार्थ है।अनुभूतियों के स्तर पर हमारा संवेदनशील होना यथार्थ है। हमारा दुःखी होना या सुखी होना यथार्थ है।उस यथार्थ को उपन्यास में कहानीयों में ही समझा जा सकता है।प्रश्न उठता है कि यथार्थ के वे नए धरातल कौन से हैं, जिन पर आधुनिक कथा-साहित्य की मूल संवेदना निर्भर करती है? आज का कथा-साहित्य मनुष्य और उसके संसार के यथार्थ को दो भिन्न-भिन्न संदर्भों में स्वीकार नहीं करता और मानव मुक्ति को इसी संसार से संबधित करता है।

इस प्रकार मानव विशिष्टता के प्रति अधिक आग्रहशील बन जाता है। आज के कथा-साहित्य में यह नया यथार्थ व्यक्ति की मर्यादा को नष्ट किए बिना व्यापक परिवेश देने की चेष्टा करता है।इस प्रकार यथार्थ को आज का कथा-साहित्य वस्तुसत्य के रूप में देखने का प्रयत्न करता है।

आज का कथा-साहित्य यथार्थ को खण्डित नहीं करता, बल्कि मनुष्य को वह चेतना देता है कि वह इतिहास का यांत्रिक पूर्जा नहीं, वरन् उसके विकास एवं गतिशीलता में सहभागी है।इससे मानवीय संवेदनाओं के समक्ष वर्जनाओं तथा कुण्ठाओं का महत्त्व नहीं रह जाता है।

COSMOS IMPACT FACTOR

Search

HOME | INDEXED JOURNAL | SUGGEST JOURNAL | DOWNLOAD LOGO | REVIEWER PANEL

Category

- INDEXED JOURNAL
- SUGGEST JOURNAL
- JOURNAL IF
- REQUEST FOR IF
- DOWNLOAD LOGO
- CONTACT US

SAMPLE CERTIFICATE

SAMPLE EVALUATION SHEET

Journal Detail

Journal Name	RESEARCH JOURNEY
ISSN/EISSN	2348-7143
Country	IN
Frequency	Quarterly
Journal Discipline	General Science
Year of First Publication	2014
Web Site	www.researchjourney.net
Editor	Prof. Dhanraj Dhangar & Prof. Gajanan Wankhede
Indexed	Yes
Email	researchjourney2014@gmail.com
Phone No.	+91 7709752380
Cosmos Impact Factor	2015 : 3.452

GIF
GLOBAL IMPACT FACTOR

Institute for Information Resources

News Updates Note: Annual membership fee is of just 40 Dollars for existing members and they can renew their membership for year 2016

Get Involved

Recently Added Journals

Research Journey	
ISSN	2348-7143
Country	India
Frequency	Quarterly
Year publication	2014-2015
Website	researchjourney.net
Global Impact and Quality Factor	
2014	0.565
2015	0.676

Research Journey

SJIF 2018:
Under evaluation

Area: Multidisciplinary

Evaluated version: online

Previous evaluation SJIF

2017: 6.261
2016: 6.087
2015: 3.986
2014: 3.009

The journal is indexed in:

SJIFactor.com

Basic information

Main title	Research Journey
Other title [English]	Research Journey
Abbreviated title	
ISSN	2348-7143 (E)
URL	http://WWW.RESEARCHJOURNEY.NET
Country	India
Journal's character	Scientific
Frequency	Quarterly
License	Free for educational use
Texts availability	Free

SWATIDHAN PUBLICATIONS For Details Visit To : www.researchjourney.net Price : Rs. 900/-

Scanned with OKEN Scanner